

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर, गंगापुर सिटी (राजस्थान)

पीछासीन अधिकारी :- हरि राम गीना, आर.ए.एस.

अपील संख्या - 04/2023

(75 एल.आर.एक्ट.)

उपनाम

1. श्रीमती गीरा देवी पत्नि हीरालाल जाति गीना निवासी जीवली तहसील गंगापुर सिटी हाल तहसील वजीरपुर।

.....अपीलार्थीया

बनाम

1. बट्टी पुत्र रामदेव जाति गीना निवासी जीवली तहसील गंगापुर हाल वजीरपुर।
2. गोरारिया पुत्र रामदेव जाति गीना निवासी जीवली तहसील गंगापुर हाल वजीरपुर
---मृतक---
- 2/1 देव चन्द पुत्र गोरारिया जाति गीना निवासी जीवली तहसील गंगापुर हाल वजीरपुर
- 2/2 लिखगो चन्द पुत्र फुलचन्द जाति गीना निवासी जीवली तहसील गंगापुर हाल वजीरपुर।
3. गैरु पुत्र रामदेव जाति गीना निवासी जीवली तहसील गंगापुर हाल वजीरपुर
---मृतक---
- 3/1 छगन पुत्र गैरु जाति गीना निवासी जीवली तहसील गंगापुर हाल वजीरपुर।
- 3/2 हररी पुत्र गैरु जाति गीना निवासी जीवली तहसील गंगापुर हाल वजीरपुर।
- 3/3 श्री पुत्र गैरु जाति गीना निवासी जीवली तहसील गंगापुर हाल वजीरपुर।

.....रेस्पोंडेन्ट

उपस्थित:-

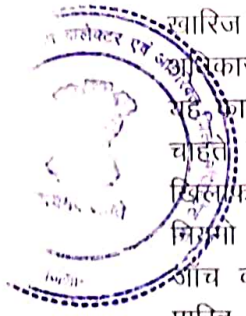
1. श्री सतीश कुमार शर्मा अधिवक्ता अपीलार्थीया।

::: निर्णय :::

दिनांक:-21.02.2024

यह अपील तहसीलदार गंगापुर सिटी के नामान्तरण संख्या 648 निर्णय दिनांक 03.7.2011 के विरुद्ध इस न्यायालय में प्रस्तुत की गई है।

संक्षेप में अपील के तथ्य इस प्रकार हैं कि अधिनस्थ न्यायालय द्वारा पारित निर्णय पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों एवं तथ्यों से परे होने से निरस्त होने योग्य है। बट्टी से अपीलार्थीया ने ग्राम जीवली में स्थित भूमि खसरा नं० 41,42,44,45,58,59,60,61,62, 63,74,75 कुल कित्ता 12 कुल रकबा 3.66 है० में बट्टी के हिस्से की भूमि को जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 21/6/2005 को कय किया था मौके पर अपीलार्थीया को कब्जा संभला दिया तब से लेकर आदिनांक तक उक्त भूमि पर काबिज रहकर लाभान्वित होती चली आ रही है तथा अपीलॉट की उक्त क्रयशुदा भूमि से किसी दीगर व्यक्ति का कोई सम्बन्ध व वास्ता नहीं है इस बात पर गौर किये बिना अपीलाधीन निर्णय विधि विरुद्ध तरीके से पारित किया है जो निरस्तनीय है। नामान्तरण संख्या 648 ग्राम जीवली पर यह नोट अंकित किया है कि विक्रय पत्र में कई जगह वाद में 11 ऐयर विक्रय करना अंकित किया तथा इस प्रकार विक्रय पत्र में शुद्धि किये जाने हेतु कही भी लिखा नहीं होने से पंजीयन के बाद में रजिस्ट्री में परिवर्तन किया प्रतीत होता है। अतः रिकार्ड के अनुसार हिस्सा सही होने से नामान्तरण खारिज किया जाना उचित है। इस प्रकार यदि विक्रय पत्र में कही कोई कमी देखने का यह कार्यवाही की है। गंगापुर सिटी में उप-पंजीयक एवं तहसीलदार एक ही व्यक्ति है यदि वह विक्रय पत्र में कमी देखने के पश्चात यदि त्रुटि होती तो प्रार्थीगण के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराते लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। निवेदन है कि नामान्तरण निर्णय में स्पष्ट प्रावधान है कि विक्रय पत्र, गोद पत्र के नामान्तरण में किसी प्रकार की त्रुटि की कोई आवश्यकता नहीं रह जाती है। इस कारण भी अधिनस्थ न्यायालय द्वारा पारित निर्णय निरस्तनीय है। यह है कि उक्त नामान्तरण को हल्का पटवारी ने भरकर



2

जायेगा। इसलिए अपीलान्त द्वारा अपील पेश करने में जानबूझ कर कोई देरी नहीं की गई है। इसलिए अपील स्वीकार की जाकर निर्णय अधीनस्थ न्यायालय निरस्त फरमाया जावे।

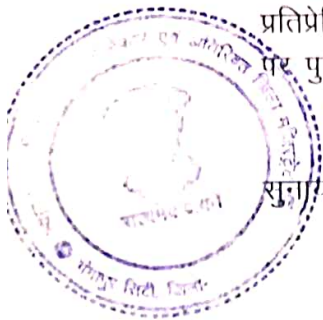
बहरस अधीनस्था अपीलान्त पर गनन किया पत्रावली व उसमें प्रस्तुत दस्तावेजात का अवलोकन किया अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 21.06.2005 उपपंजीयक कार्यालय से प्राप्त रजिस्टर्ड दस्तावेज है जो उपपंजीयक के अधिकार व कब्जे में रहता है जिसमें कोई भी कांट-छांट की गई है वह दस्तावेज पंजीयन किये जाने समय ही की गई है तथा उक्त दस्तावेज को उपपंजीयक द्वारा ही पंजीवद्ध किया गया है। इसलिए उक्त रजिस्टर्ड दस्तावेज की सत्यता पर संदेह नहीं किया जा सकता है, साथ ही पत्रावली में मौजूद नकल जमाबंदी संवत् 2070-2073 से प्रमाणित है कि रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के बाद भी इंदाज पूर्व खातेदार के नाम दर्ज है पूर्व खातेदार विक्रेता द्वारा उक्त विक्रय पत्र पर कोई आपत्ति नहीं की है तथा ना ही वह न्यायालय में अपने पक्ष रखने के लिए उपरिष्ठ हुए जिससे स्पष्ट है कि विक्रेता को भूमि के विक्रय पत्र पर कोई आपत्ति नहीं है तथा अधीनस्थ न्यायालय द्वारा भी रेस्पोंडेंट को बुलाकर विक्रय पत्र में कांट-छांट किये जाने बावत् कोई तथ्य अंकित नहीं किये हैं केवल रिकॉर्ड के अनुसार हिस्सा दर्ज नहीं होने का नोट अंकित कर नामान्तकरण निरस्त किया है जबकि रिकॉर्ड में दर्ज हिस्से को पटवारी हल्का व भूमि अभिलेख निरीक्षक द्वारा दर्ज किया जाना था इसलिए नामान्तकरण को निरस्त किया जाना असंवैधानिक कार्य रहा है जहां तक नामान्तकरण में भू-अभिलेख निरीक्षक द्वारा दर्ज विक्रय पत्र में कांट-छांट के नोट का प्रश्न है तो यह प्रश्न नामान्तकरण दर्ज करने के दौरान जांच का प्रश्न नहीं है तथा उक्त तथ्यों की जांच करना या उन पर निर्णय देना भू-अभिलेख निरीक्षक का कार्य नहीं है यह कार्य केवल सिविल न्यायालय का है कि विक्रय पत्र मूलत है या सही है।

उक्त विवेचन के आधार पर हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि निर्णय अधीनस्थ न्यायालय में अपने क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर निर्णय दिया है। अपीलान्त द्वारा प्रस्तुत धारा 5 मियाद अधिनियम का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर अपील अन्दर मियाद शुमार की जाकर निर्णय अधीनस्थ न्यायालय विधि विरुद्ध होने से निरस्त किया जाना उचित प्रतित होता है।

आदेश

अतः अपील अपीलार्थी स्वीकार की जाकर अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार गंगापूर सिटी का निर्णय दिनांक 03.07.2011 बावत् नामान्तकरण संख्या 648 ग्राम जीवली तहसील गंगापूर सिटी, हाल वजीरपुर को निरस्त किया जाकर पत्रावली इस आदेश के साथ प्रतिप्रेषित की जाती है कि वह उक्त नामान्तकरण में वर्णित रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर पुनः जांच कर निर्णय पारित करें।

निर्णय आज दिनांक 21.02.2024 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया जाता है।



हल
(हरि-शर्मा मोहन)
अतिरिक्त जिला कलेक्टर,
गंगापूर सिटी
अतिरिक्त जिला कलेक्टर पूर्व
अतिरिक्त जिला कलेक्टर
गंगापूर सिटी